

### असाधारण

#### **EXTRAORDINARY**

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii) प्राधिकार से प्रकाशित

## PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 2341]

नई दिल्ली, बुधवार, अक्तूबर 28, 2015/कार्तिक 6, 1937

No. 2341]

NEW DELHI, WEDNESDAY, OCTOBER 28, 2015/KARTIKA 6, 1937

# गृह मंत्रालय अधिसूचना

नई दिल्ली, 27 अक्तूबर, 2015

का.आ. 2930(अ).—विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम, 1967 (1967 का 37) की धारा 5 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार यह निर्धारित करने के लिए कि क्या नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नागालैण्ड (खापलांग) [एन एस सी एन (के)] को विधिविरुद्ध संगम घोषित करने के लिए पर्याप्त कारण विद्यमान हैं अथवा नहीं, एतद्वारा, दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश, न्यायमूर्ति नज़मी वजीरी की अध्यक्षता में 'विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिकरण" का गठन करती है।

[सं. 11011/45/2015-एन ई-V]

एम.ए गणपति, संयुक्त सचिव

# MINISTRY OF HOME AFFAIRS NOTIFICATION

New Delhi, the 27th October, 2015

**S.O. 2930(E).**—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5 of the Unlawful Activities (Prevention) Act, 1967 (37 of 1967), the Central Government hereby constitutes "The Unlawful Activities (Prevention) Tribunal" consisting of Mr. Justice Nazmi Waziri, Judge of Delhi High Court, for the purpose of adjudicating whether or not there is sufficient cause of declaring the National Socialist Council of Nagaland (Khaplang)[NSCN(K)] as Unlawful Association.

[No. 11011/45/2015-NE-V]

M. A. GANAPATHY, Jt. Secy.

4587 GI/2015